भजन

साथ जी कहो कहो,राज स्यामा स्याम
नींद से जगाए जो,है धनी का नाम

1– कौल धाम में किया याद भी रहा नहीं
हम फना को देख कर हो गए फना यहीं
नींद में गुजार दी जिंदगी तमाम
नींद से जगाए...

2– खो गया वोह ताड़वन खो गई वोह चांदनी
खो गए पच्चीस पक्ष खो गई है भामनी
तारतम लिया मगर भूल बैठी धाम
नींद से जगाए...

3– थे पुकारते धनी माया है अति घनी
तुम न जाओ देखने ढीठ फिर भी हम बनी
शरमा रही है खुद शरम किस पे है इल्जाम
नींद से जगाए...